एम.ए.सी.पी. संख्या ३४१/२०१७

१. गयादीन पुत्र हरजू उम्र ५० वर्ष
 २. श्रीमती ललता देवी पत्नी गयादीन पाल उम्र करीब ४७ वर्ष
 ३. कु. संध्या पुत्री गयादीन उम्र लगभग १६ वर्ष
- नाबालिगान जरिये माँ संरक्षक पिता गयादीन
निवासीगण इस्किल बुजुर्ग थाना एरच जिला झाँसी

-----याचीगण

प्रति

१. ऋषि राज सिंह पुत्र वेताल सिंह निवासी न्यू आर्दश नगर पिन्ट पार्क ग्वालियर म.प्र.
.....मालिक होण्डाई कार सं.एम.पी. ०७ सी.ई. १८२५
२. हरवीर सिंह तनय कोक सिंह निवासी विरला नगर ग्वालियर म.प्र.
.....चालक होण्डाई कार सं.म.पी.०७ सी.ई. १८२५
३. द न्यू इंडिया इश्योरेन्स क०लि० जरिये शाखा प्रबंधक कचहरी चौराहा झाँसी
.....बीमाकर्ता होण्डाई कार सं० म.पी.०७ सी.ई. १८२५

-----विपक्षीगण

याचीगण के अधिवक्ता- श्री बलवीर पाली
विपक्षी सं. ३ के अधिवक्ता- श्री सुनील शुक्ला

०१.११.२०२०

पत्रावली आज E-Lok Adalat में पेश हुयी। याचीगण व उनके विद्वान अधिवक्ता तथा विपक्षी सं. ३ दि न्यू इण्डिया इश्योरेन्स कं. लि. की ओर से उनके विद्वान अधिवक्ता न्यायाधिकरण में उपस्थित आये हैं।

याचीगण व विपक्षी सं. ३ बीमा कम्पनी के मध्य हुए सुलहनामा १९बी पर याचीगण व विपक्षी सं. ३ बीमा कम्पनी के विद्वान अधिवक्तागण को सुना तथा पत्रावली का अवलोकन किया। १९बी सुलहनामा उभय पक्ष की उपस्थिति में न्यायाधिकरण द्वारा तस्दीक किया जा चुका है। १९बी सुलहनामा के अनुसार विपक्षी सं. ३ बीमा कम्पनी क्षतिपूर्ति के रूप में ₹ ५,५०,००० याचीगण को सम्पूर्ण सन्तुष्टि पर अदा करेगी। उभय पक्ष द्वारा न्यायाधिकरण के समक्ष सुलहनामा १९बी की पुष्टि की गयी है तथा याचीगण सुलहनामा १९बी में दर्शित कुल ₹ ५,५०,००० प्रतिकर के रूप में लेने हेतु सहमत है, जिसे विपक्षी सं. ३ बीमा कम्पनी याचीगण को देने हेतु तैयार हैं। अतः याचिका सुलहनामा १९बी के अनुसार पूर्ण सन्तुष्टि में निर्णीत किये जाने योग्य है।

आदेश

याचीगण की याचिका सुलहनामा १९बी के अनुसार निर्णीत की जाती है। सुलहनामा १९बी इस आदेश का भाग रहेगा। विपक्षी सं. ३ दि न्यू इण्डिया इश्योरेन्स कं. लि. को आदेशित किया जाता है कि वह याचीगण को निर्णय के दिनांक से ३० दिन के अन्दर प्रतिकर की धनराशि ₹ ५,५०,००० (पाँच लाख पचास हजार) भुगतान करने हेतु मोटर वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, झाँसी के पंजाब नेशनल बैंक के खाता सं. ३६७१०००१०११९२४८९ आई.एफ.एस.सी. सं. PUNB ०३६७१०० में आर.टी.जी. एस./नेफ्ट के माध्यम से कर दे। धनराशि अन्तरण में याचिका संख्या, नाम बनाम का उल्लेख किया जाएगा तथा ट्रांजैक्शन नं. मय याचिका संख्या व नाम बनाम की सूचना न्यायाधिकरण को ईमेल po@mactjhansi.in व po-mact.jh@up.gov.in पर भेजी जाएगी। याचीगण मृतक के क्रमशः पिता, माँ व बहन हैं तथा प्रार्थिया सं. ३ वर्तमान में वयस्क हो चुकी है। अतः उक्त प्रतिकर की धनराशि में से याचीगण सं. १, २ व ३ क्रमशः ४०, ४० व २० % भाग प्राप्त करेंगे। प्रतिकर की उक्त धनराशि में से प्रत्येक याची अपने-अपने भाग का २५-२५ प्रतिशत धनराशि जरिए आर.टी.जी.एस./नेफ्ट अपने बैंक खाते में नकद प्राप्त कर सकेंगे तथा शेष ७५-७५ प्रतिशत धनराशि की उनके नाम ३-३ वर्ष के लिए एन्युटी बनाई जाएगी

तदनुसार एवार्ड तैयार हो। पत्रावली नियमानुसार दाखिल दफ्तर हो।

(चंद्रोदय कुमार)
पीठासीन अधिकारी
मोटर वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण,
झाँसी।